# तीन सौ वर्ग मीटर में बनेगा रैपिड का अंडरग्राउंड स्टेशन

मेरठ | मुख्य संवाददाता

रैपिड के लिए मेरठ में एनसीआरटीसी की ओर से काम तेज कर दिया गया है। भैंसाली डिपो की करीब तीन सौ वर्ग मीटर की जमीन में अंडरग्राउंड रैपिड का स्टेशन बनेगा।

यह स्टेशन तहसील के पास रोडवेज की आवासीय कॉलोनी से डिपो के अधिकारियों के दफ्तर तक होगा। इसके लिए परिवहन अधिकारियों के इंजीनियर्स ने सर्वे भी कर लिया है। बस मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी जानी है। भैंसाली डिपो पर वर्कशॉप की जमीन में रैपिड रेल का स्टेशन बनना है। इसके लिए एनसीआरटीसी ने 7534 वर्ग मीटर जमीन परिवहन के अधिकारियों से मांगी है। उधर, परिवहन के अधिकारियों ने एनसीआरटीसी को वर्कशॉप की जमीन देने का प्लान भी तैयार कर लिया है। अधिकारी और इंजीनियर्स ने भैंसाली डिपो की जमीन का सर्वे शुरू कर दिया है। परिवहन विभाग के पास डिपो की करीब साढ़े चार एकड़ से अधिक जमीन है। उधर, बस डिपो को ग्लाजा हॉल तक मॉडिफाई करने का काम भी चल रहा है। वर्कशॉप बाहर ले जाने के लिए परिवहन अधिकारियों ने एमडीए से जमीन की डिमांड भी की है। वर्कशॉप के लिए शहर के बाहर जमीन की तलाश भी की जा रही है। परिवहन के अधिकारी बस डिपो की पूरी जमीन का सर्वे कर अगले सप्ताह तक मुख्यालय को रिपोर्ट सब्मिट करेंगे। उसके बाद ही रैपिड के आगे का काम चालू होगा।

इस बारे में आरएम नीरज सक्सेना ने बताया कि हमारे पास पर्याप्त जमीन है सर्वे कर लिया गया है। रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय को भेजी जाएगी। वहीं, जल्द ही एनसीआरटीसी के पदाधिकारी मेरठ आकर सर्वे करेंगे।

## भैंसाली डिपो

- परिवहन अधिकारियों ने किया सर्वे
- तहसील से डिपो तक होगा अंडग्राउंड स्टेशन

## दिल्ली पहुंचना होगा आसान

मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर, बागपत, बिजनौर, मवाना समेत अलग-अलग स्थानों से आने वाले यात्रियों को दिल्ली जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। भैंसाली डिपो से करीब 80 से 90 हजार यात्री रोजाना बसों में सफर करते हैं। इसमें से अधिकतर यात्री दिल्ली एनसीआर जाते हैं। यात्रियों के सर्वे के आधार पर ही बस डिपो पर रैपिड का रेलवे स्टेशन बनाया जाना है। ताकि अन्य जिलों से आने वाले यात्री बस से डिपो उतरेंगे। साथ ही स्टेशन से रैपिड पकड़कर दिल्ली आसानी से पहुंच सकेंगे। ऐसे में रैपिड की इनकम बढ़ेगी और परिवहन को भी लाभ मिलेगा।